जैकेट डिजाइन करने जा रहे हैं।

हार्ट डिजीज के लिए नैनो टेक्नोलॉजी से बने अब बायो डिग्रेडेबल स्टेंट

कैमिस्ट्री और विभिन्न साइंस के बीच जुड़ाव पर राजस्थान यूनिवर्सिटी में शुरू हुई दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

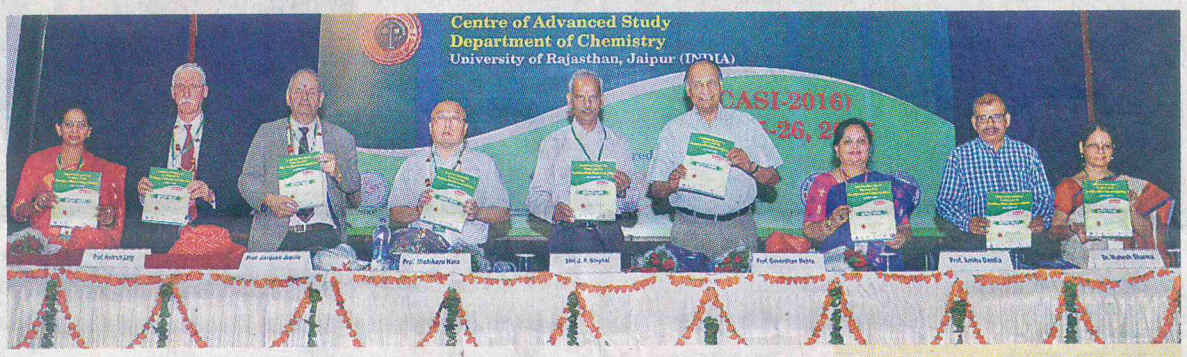

सिटी रिपोर्टर • फोटोबैक के जरिए ब्रेन कैंसर के इलाज को आसान बनाने से लेकर ईको फ्रेंडली प्रोडक्ट्स से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स बनाने और ह्यूमन बॉडी पर विभिन्न कैमिकल्स से पड़ने वाले प्रभावों पर राजस्थान यूनिवर्सिटी में देश-विदेश से आए एक्सपर्ट्स ने चर्चा की। मौका था सोमवार से सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट की ओर से 'फ्रंटियर एट द कैमिस्ट्री-एलाइड साइंसेज इंटरफेस' सब्जेक्ट पर दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का। कॉन्फ्रेंस में 12 देशों के 35 स्पीकर्स व 20 पार्टिसिपेंट्स सहित लगभग 400 डेलीगेट्स भाग ले रहे हैं।

कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट की एचओडी प्रो.अंशु डांडिया ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में भविष्य में रिसर्च व हायर साइंस एजुकेशन की संभावना तथा इंटर साइंस सब्जेक्ट्स को देखते हुए इसमें साइंस की सभी ब्रांचेज जैसे- फार्मास्यूटिकल, एनवायरमेंट साइंस, ग्रीन कैमिस्ट्री, जूलॉजी, इलेक्ट्रिकल यूनिवर्सिटी, कम्प्यूटेशनल कैमिस्ट्री तथा मेटेरियल साइंस का समावेश किया जा रहा है। यह विचार मंथन उच्च शिक्षा, रिसर्च तथा राष्ट्रीय विकास में सहायक होगा। पहले दिन देश-विदेश के रिसर्चर्स ने 30 ओरल एवं 70 पोस्टर पेपर प्रस्तुत किए। तथा कैमिस्ट्री में उत्कृष्ट योगदान के लिए आरयू के पूर्व रिसर्चर्स के तौर पर प्रो.गोवर्धन मेहता, प्रो.पूरण चन्द, प्रो. रविन्द्र कुमार पांडे को सम्मानित किया गया।

सिगरेट में मौजूद कैमिकल्स कैंसर की वजह

कार्यक्रम के चीफ गेस्ट हैदराबाद यूनिवर्सिटी के नेशनल रिसर्च प्रो. पद्मश्री गोवर्धन मेहता ने बताया कि हम सुबह से शाम तक कैमिस्ट्री की सुविधाएं लेते हैं। कैमिस्ट्री साइंस हर जगह है। इसी से वैल्यूलैस प्रॉडक्ट्स को वैल्यू एडिड प्रोडक्ट्स में तब्दील किया जा सकता है। हम रोजाना लगभग 1001 कैमिकल्स का प्रयोग करते हैं ग्रीन टी, कॉफी जैसे कई पदार्थों के रूप में। वहीं सिगरेट में 4 हजार तरह के कैमिकल्स मौजूद होते हैं जिनमें से अधिकतर से कैंसर होता है। मेहता को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

कैंसर और हार्ट प्रॉब्लम्स के लिए बनाई डिवाइस

जापान की क्यूसू यूनिवर्सिटी के प्रो. मासारू तानाका बायो-डीग्रेडेबल मेडिकल डिवाइसेज पर काम कर रहे हैं। उन्होंने नैनो टेक्नोलॉजी के माध्यम से तैयार की गई कार्डियो वेस्कुलर सिस्टम तथा कैंसर कैप्चर सिस्टम के बारे में जानकारी दी। तानाका ने बताया कि हार्ट अटैक और हार्ट में ब्लॉकेज जैसी प्रॉब्लम्स में यह कार्डियो वेस्कुलर सिस्टम में बनी डिवाइस स्टेंट के रूप में लगाया जाता है और यह 6-10 महीनों में बॉडी में ही नष्ट हो जाती है और ब्लॉकेज खुल जाती है।

ब्रेन ट्यूमर का पता फोटो डायनामिक थैरेपी से

स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, बुफैलो के रिसर्च प्रो. रविन्द्र के पांडे ने कैंसर के निदान में फ्लोरिसेंस इमेजिंग एवं फोटो डायनेमिक थैरेपी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रेन कैंसर का रोगी डेढ़ साल से अधिक जीवित नहीं रहता। और ऑपरेशन के समय ही पता लगता था कि यह सिर के किस पार्ट में है। इसके लिए रविन्द्र फोटो डायनेमिक थैरेपी में फोटोबैक तैयार कर रहे हैं। बैक्टिरियोक्लोरोफिल से बना यह फोटोबैक ब्रेन में उपस्थित ट्यूमर को ट्रेस के साथ ही ट्रीट भी करेगा।

कॉन्फ्रेंस में इन्होंने भी दी कैमिस्ट्री साइंस से जुड़ी जानकारी

- टोक्यो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जापान के प्रो. मिशिकजु हारा ने पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के ईको-फ्रेंडली स्रोतों द्वारा उत्पादन, बायोमास से अन्य उपयोगी रसायनों के उत्पादन की नवीन जानकारी प्रदान की।
- इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-साइंसेज, पेरिस, फ्रांस के सीएनआरएस के रिसर्च डायरेक्टर प्रो. जेक्यूस जुपाईल ने अपनी स्पीच में मेटेरियल साइंस में सतही कोटिंग व इनकी इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, मैकेनिक्स, ऑप्टिकल्स में उपादेयता उजागर की।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू के प्रो. उदय मेत्रा ने बाइल अम्लों से विभिन्न जैल विकास एवं उनकी धात्विक लवणों के बारे में बताया तथा उनकी विभिन्न क्षेत्रों, जैसे- नैनो पदार्थों की डिजाइन और एंजाइम सेंसर की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।
- भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई के प्रो.ए.के. त्यागी ने नए फंक्शनल मेटेरियल की डिजाइन के बारे में बताते हुए इनकी विभिन्न क्षेत्रों- सुपर हार्ड मेटेरियल, इंसुलेटर एवं सुपर कंडक्टर, सिरेमिक्स व ग्लास, पॉलीमर, बायो मेटेरियल, न्यूक्लियर मेटेरियल तथा नैनो मेटेरियल में उपयोगिता बताई।
- जर्मनी के इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिस्ट्री के प्रो. हैंड्रीच लेंग ने कैमिकल्स में नए मेटेरियल के निर्माण की विधियों की जानकारी दी।

मछली के स्केल से तैयार कैमिकल पानी में उपस्थित सेलेनियम को करेगा एब्सॉर्ब

थाइलैंड की खोन केन यूनिवर्सिटी के प्रो. सक्सित चान्थाई ने मछली के स्केल से नैनोक्रिस्टलाइन हाइड्रोक्सीएपेटाइट तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनके द्वारा पानी में उपस्थित सेलेनियम नामक जहरीले तत्वों को एब्जॉर्ब किया जाता है। इसके अलावा चान्थाई ने टॉक्सिक मेटल, मर्करी, कैडमियम आदि से खाने के साथ हमारी बॉडी में जाने वाले जहरीले पदार्थों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वे थाईलैंड में मार्केट और खेतों से विभिन्न वेजीटेबल्स, फ्रूट्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स, डिस्ट्रील स्पिरट आदि के सैम्पल लेकर उनमें उपस्थित टॉक्सिसिटी का पता लगाते हैं तथा ऑर्गेनिक फार्मिंग की जानकारी देते हैं।

कैमिस्ट्री फैकल्टी ने स्टूडेंट्स के साथ किया फोक डांस

सिटी रिपोर्टर • राजस्थान यूनिवर्सिटी में कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में जुटे फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने शाम को ह्यूमेनिटी हॉल में आयोजित कल्चरल प्रोग्राम में डांस प्रस्तुति दी।

'फ्रंटियर एट द कैमिस्ट्री- एलाइड साइंसेज इंटरफेस' सब्जेक्ट पर शुरू हुई दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में जहां दिन भर इनोवेशन पर चर्चा हुई, वहीं शाम को माहौल बदला हुआ था। कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट की हैड अंशु डांडिया ने बताया कि इस अवसर पर कई राज्यों के फ्यूजन डांस में भी सभी ने हिस्सा लिया खासकर विदेशी मेहमानों ने इसका पूरा लुत्फ उठाया। इस अवसर पर राजस्थानी फोक डांस भी आयोजित हुआ।

'क्वालिटी इन एजुकेशन' पर आज नेशनल सेमिनार

सिटी रिपोर्टर • कूकस स्थित शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से मंगलवार को नेशनल सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 बजे से होने वाले इस सेमिनार का सब्जेक्ट 'क्वालिटी इन एजुकेशन' रहेगा। इसमें टेक्निकल एजुकेशन पर खास चर्चा होगी। इंस्टीट्यूशंन के चेयरमैन डॉ. संत कुमार चौधरी ने बताया कि यह सेमीनार ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय बिहार के कुलपुति प्रोफेसर साकेत कुशवाहा की अध्यक्षता आयोजित होगा जिसमें वे शिक्षा में बदलाव, गिरते स्तर और जरुरी उपायों पर अपना विचार व्यक्त करेंगे। साथ ही काशी विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई सहित कई शिक्षा विद विचार ही हिस्सा लेंगे।

परिंडों का किया वितरण

सिटी रिपोर्टर • गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए विद्याधर नगर स्थित गणाधिपति पुरुषोत्तम शेखावाटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से सोमवार को परिंडों का वितरण किया गया। परिंडों का वितरण कॉलेज कैंपस व गणाधिपति पुरुषोत्तम शेखावाटी अस्पताल परिसर में संस्था के डायरेक्टर डॉ. एस.एस. जोशी और मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रेणु जैन, कॉलेज के प्रिंसिपल विशाल टाक व वरिष्ठ डॉक्टर्स ने किया। इस मौके पर कॉलेज के स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स भी उपस्थित थे।